

मानव पूंजी पर कोवडि-19 का प्रभाव

प्रलिस के लयि:

वशिव बैंक, कोवडि-19, संज्जानात्मक क्षति

मेन्स के लयि:

मानव पूंजी पर कोवडि-19 का प्रभाव ।

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **वशिव बैंक** ने “कोलैप्स एंड रकिवरी: हाउ कोवडि-19 एरोडेड ह्यूमन कैपिटल एंड व्हाट टू डू” (Collapse and Recovery: How COVID-19 Eroded Human Capital and What to Do) शीर्षक से एक रिपोर्ट जारी की है, जसिमें कहा गया है कि **कोवडि-19** के कारण बड़े पैमाने पर मानव पूंजी की क्षति हुई, जसिने मुख्य रूप से बच्चों और युवाओं को प्रभावति कयि।

- इसने **प्रमुख वकिसात्मक चरणों में युवा लोगों पर महामारी के प्रभाव को लेकर वैश्विक डेटा का वशिलेण** कयि: प्रारंभिक बचपन (0-5 वर्ष), स्कूल की उमर (6-14 वर्ष), और युवा (15-24 वर्ष)।
- **नोट: मानव पूंजी** में ज्ञान, कौशल और स्वास्थय शामिल हैं जसि लोग अपने पूरे जीवन में नविश और जमा करते हैं जसिसे उन्हें समाज के उत्पादक सदस्यों के रूप में अपनी क्षमता का एहसास करने में मदद मलति है।

रिपोर्ट के नषिकर्ष:

- **महामारी का प्रभाव:**
 - कोवडि-19 ने जीवन चक्र के महत्त्वपूर्ण क्षणों में मानव पूंजी को भारी नुकसान पहुँचाया, मुख्य रूप से अवकिसति तथा वकिसशील देशों में बच्चों एवं युवाओं को प्रभावति कयि।
 - नमिन और मध्यम आय वाले देशों में लाखों लोग प्रभावति हुए हैं।
- **स्कूली बच्चों पर प्रभाव:**
 - कई देशों में प्री-स्कूल उमर के बच्चों ने प्रारंभिक भाषा और साक्षरता में **34% से अधिक** और पूरव-महामारी की तुलना में गणति में 29% से अधिक ने **सीखने के कौशल को खो दिया है**।
 - कई देशों में स्कूलों के फरि से खुलने के बाद भी **प्री-स्कूल नामांकन वर्ष 2021 के अंत तक ठीक से नहीं हो पाया था**; कई देशों में इसमें 10% से अधिक की गरिवट देखी गई थी।
 - महामारी के दौरान बच्चों को अधिक **खाद्य असुरक्षा** का भी सामना करना पड़ा।
- **स्वास्थय देखभाल में कमी:**
 - लाखों बच्चों को स्वास्थय देखभाल में कमी का सामना करना पड़ा, जसिमें प्रमुख रूप से टीके न ले पाना भी शामिल है।
 - उन्होंने अपने **देखभाल के वातावरण में अधिक तनाव का अनुभव कयि, जैसे - अनाथ, घरेलू हसिा और खराब पोषण आदि** जसिके परिणामस्वरूप वदियालय जाने में सक्षम नहीं थे जसिके कारण सामाजिक और भावनात्मक वकिस कम हुआ।
- **युवा रोज़गार:**
 - महामारी से पूरव 40 मलियन लोग जो रोज़गार संपन्न थे, महामारी के पश्चात् **वर्ष 2021 के अंत तक रोज़गार वहीन हो गए**, जसिसे युवा बेरोज़गारी की स्थति और खराब हो गई। युवाओं की आय में वर्ष 2020 में 15% और वर्ष 2021 में 12% की गरिवट आई।
 - अल्प शकिसति नए प्रतयिगयिों के पास शर्म बाज़ार में अपने पहले दशक के दौरान 13% कम आय होगी।
 - ब्राज़ील, इथयोपिया, मेक्सिको, पाकसितान, दक्षणि अफ्रीका और वयितनाम में वर्ष 2021 में कुल युवाओं में **से25% के पास न तो शकिसा, रोज़गार और न ही प्रशकिसण था**।
- **भवषिय में चुनौतयिाँ:**
 - आज के ननुहे बच्चों/टॉडलर में संज्जानात्मक कमी के कारण जब वेकाम करने की उमर में पहुँच जायेंगे तो **कमाई में 25% की गरिवट आ सकती है**।
 - कोवडि से प्रभावति शकिसा के कारण नमिन और मध्यम आय वाले देशों में छात्रों की भवषिय की औसत वार्षिक आय 10% तक कम हो

सकती है। छात्रों की इस पीढ़ी को जीवन भर की संभावित कमाई में 21 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के वैश्विक नुकसान का सामना करना पड़ सकता है।

- इस पैमाने पर जीवन भर की कमाई के नुकसान का मतलब कम उत्पादकता, अधिक असमानता और आने वाले दशकों में संभवतः अधिक सामाजिक अशांति की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

सफ़ारिशें:

- देशों को इन नुकसानों की भरपाई हेतु तत्काल कार्रवाई के साथ मानव पूंजी में निवेश करना चाहिये।
- मानव पूंजी गरीबी में कमी और समावेशी विकास का एक प्रमुख चालक है। अर्थात् वर्तमान एवं भविष्य के संकटों तथा तनावों का सामना करने हेतु इसमें लचीलापन लाना अत्यावश्यक है।
- कुछ नीतित्वात्मक कार्रवाइयों में शामिल हो सकते हैं:
 - टीकाकरण और पोषण प्रक अभियान, पालन-पोषण कार्यक्रमों की कवरेज बढ़ाना, पूर्व-प्राथमिक शिक्षा तक पहुँच बढ़ाना, कमज़ोर परिवारों हेतु नकद हस्तांतरण के कवरेज का विस्तार करना।
 - शिक्षण समय बढ़ाना, छात्रों के सीखने का उनके स्तर के आधार पर मूल्यांकन करना और आधारभूत शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करने हेतु पाठ्यक्रम को सुव्यवस्थित करना।
 - युवाओं को अनुकूलित प्रशिक्षण, नौकरी हेतु मध्यस्थता, उद्यमिता कार्यक्रम और नई कार्यबल उन्मुख पहलों के लिये समर्थन प्रदान करना आवश्यक है।
- दीर्घावधि में राष्ट्रों को मानव विकास के लिये ऐसी प्रणालियाँ तैयार करनी चाहिये जो वर्तमान तथा भविष्य में संकटों हेतु बेहतर तैयारी और प्रतिक्रिया के लिये लचीली, तीव्र और अनुकूलनीय हों।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, पछिले वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: (2018)

एक संकल्पना के रूप में मानव पूंजी निर्माण की बेहतर व्याख्या उस प्रक्रिया के रूप में की जाती, जिसके द्वारा:

1. किसी देश के व्यक्ति अधिक पूंजी का संचय कर पाते हैं।
2. देश के लोगों के ज्ञान, कौशल स्तरों और क्षमताओं में वृद्धि होती है।
3. गोचर धन का संचय हो पाता है।
4. अगोचर धन का संचय हो पाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2
- (c) केवल 2 और 4
- (d) केवल 1, 3 और 4

उत्तर: (c)

??????????:

प्रश्न. COVID-19 महामारी ने भारत में वर्ग असमानताओं और गरीबी को गति दे दी है। टिप्पणी कीजिये। (2020)

स्रोत: डाउन टू अर्थ